भारत की भौगोलिक विविधता

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» भारत की भौगोलिक विविधता का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). भारत को 'भौगोलिक रूप से विविध' क्यों कहा जाता है?

उत्तर – क्योंकि यहाँ पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल, और समुद्र तट जैसी विभिन्न भू-आकृतियाँ पाई जाती हैं।

प्रश्न 2 (आसान). भारत का भूगोल हमारे 'national character' को कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर – यह हमारी जीवनशैली, खान-पान, और सांस्कृतिक विविधता को आकार देता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). भारत के किन्हीं दो 'geographical features' का नाम बताइए जो इसे अन्य देशों से अलग बनाती हैं।

उत्तर – उत्तर में विशाल हिमालय पर्वत श्रृंखला और दक्षिण में विस्तृत प्रायद्वीपीय पठार।

प्रश्न 4 (कठिन). आपकी राय में, भारत की भौगोलिक विविधता हमारे 'economic development' में कैसे योगदान देती है?

उत्तर – यह विभिन्न कृषि उत्पाद (पहाड़ों पर फल, मैदानों में अनाज), पर्यटन (पहाड़ी सैरगाह, समुद्री तट), और खनिज संसाधन (पठारों में) प्रदान करके आर्थिक विकास में योगदान देती है।

» भारत की प्रमुख भौगोलिक इकाइयाँ

प्रश्न 5 (आसान). भारत को मुख्य रूप से कितनी भौगोलिक इकाइयों में बांटा गया है?

उत्तर – पांच

प्रश्न 6 (आसान). गंगा और सिंधु का मैदान भारत की किस भौगोलिक इकाई में आता है?

उत्तर – गंगा और सिंधु का मैदान

प्रश्न 7 (मध्यम). अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह किस भौगोलिक इकाई का हिस्सा हैं?

उत्तर – द्वीपसमूह

प्रश्न 8 (कठिन). भारत का 'दक्षिणी प्रायद्वीपीय' हिस्सा किस प्रकार की भू-आकृतियों के लिए जाना जाता है?

उत्तर – पठार और पहाड़ियाँ

» हिमालय पर्वत श्रृंखला: बनावट और महत्व

प्रश्न 9 (आसान). हिमालय शब्द किन दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है?

उत्तर – हिम और आलय

प्रश्न 10 (आसान). हिमालय को 'बर्फ का घर' क्यों कहा जाता है?

उत्तर – क्योंकि यह पूरा साल बर्फ से ढका रहता है।

प्रश्न 11 (मध्यम). हिमालय पर्वत श्रृंखला का निर्माण कैसे हुआ, संक्षेप में समझाइए।

उत्तर – भारतीय प्लेट और यूरेशियाई प्लेट के आपस में टकराने और एक-दूसरे को धकेलने से उनके बीच की भूमि में सिलवटें पड़ गईं और वह ऊपर उठकर हिमालय बन गई।

प्रश्न 12 (कठिन). हिमालय की 'हिमाचल' श्रेणी 'हिमाद्री' श्रेणी से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर – हिमाचल श्रेणी हिमाद्री से कम ऊँची है, यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण है जो मानव निवास और पर्यटन के लिए उपयुक्त है, जबकि हिमाद्री बहुत ऊँची और बर्फीली है जहाँ जीवन कठिन है।

» हिमालय की तीन प्रमुख श्रेणियाँ

प्रश्न 13 (आसान). हिमालय की सबसे बाहरी और निचली श्रेणी का नाम क्या है?
उत्तर – शिवालिक

प्रश्न 14 (आसान). माउंट एवरेस्ट हिमालय की किस श्रेणी में स्थित है?
उत्तर – हिमाद्री

प्रश्न 15 (मध्यम). 'हिमाचल' श्रेणी में पाए जाने वाले किन्हीं दो हिल स्टेशनों के नाम बताओ और इसकी जलवायु कैसी होती है?
उत्तर – नैनीताल और मसूरी। इसकी जलवायु समशीतोष्ण होती है।

प्रश्न 16 (कठिन). क्या कारण है कि 'हिमाद्री' श्रेणी में 'मानव बस्तियाँ अधिक नहीं हैं'?
उत्तर – हिमाद्री श्रेणी में 'सर्वाधिक ऊँची और सर्वाधिक विकट' पर्वत श्रृंखलाएं हैं जो 'संपूर्ण वर्ष हिमाच्छादित रहती हैं'। इस वजह से यहाँ 'जीवन अत्यंत कठिन है', जिसके कारण मानव बस्तियाँ अधिक नहीं पाई जातीं।

» भारत का शीत मरुस्थल: लद्दाख

प्रश्न 17 (आसान). लद्दाख किस प्रकार का मरुस्थल है?
उत्तर – शीत मरुस्थल

प्रश्न 18 (आसान). लद्दाख में सर्दियों में तापमान कितना नीचे चला जाता है?
उत्तर – -30 डिग्री सेल्सियस से नीचे

प्रश्न 19 (मध्यम). लद्दाख में पाए जाने वाले किन्हीं दो वन्यजीवों के नाम बताइए।
उत्तर – हिम तेंदुआ, आइबेक्स, तिब्बती मृग (कोई दो)

प्रश्न 20 (कठिन). लद्दाख की भूमि को 'चंद्रभूमि' क्यों कहा जाता है, विस्तार से समझाइए।
उत्तर – लद्दाख का भूभाग ऊबड़-खाबड़, चट्टानी और सूखा है, जो चाँद की सतह जैसा दिखता है। यहाँ वर्षा बहुत कम होती है और गहरी घाटियाँ तथा झीलें हैं। इसी वजह से इसे 'चंद्रभूमि' कहते हैं।

» गंगा के मैदान: उपजाऊ भूमि और जीवनरेखा

प्रश्न 21 (आसान). गंगा के मैदान किन नदियों द्वारा बनाए गए हैं?
उत्तर – गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियाँ।

प्रश्न 22 (आसान). गंगा के मैदानों की मिट्टी कैसी होती है?
उत्तर – जलोढ़ मिट्टी, जो बहुत उपजाऊ होती है।

प्रश्न 23 (मध्यम). गंगा के मैदानों को 'जीवनरेखा' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि यहाँ की नदियाँ, खासकर गंगा, करोड़ों लोगों को पानी, सिंचाई और परिवहन उपलब्ध कराकर उनके जीवन का आधार बनती हैं।

प्रश्न 24 (कठिन). हिमालय से निकलने वाली नदियों का गंगा के मैदानों की कृषि और आबादी पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – ये नदियाँ अपने साथ उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी लाती हैं, जिससे मैदानों में कृषि बहुत अच्छी होती है। पर्याप्त पानी और भोजन की उपलब्धता के कारण यहाँ घनी आबादी बसती है, और यह क्षेत्र भारत का 'अनाज का कटोरा' कहलाता है।

» विशाल भारतीय मरुस्थल: थार मरुस्थल

प्रश्न 25 (आसान). थार मरुस्थल भारत के किस भाग में स्थित है?
उत्तर – पश्चिमी भाग में।

प्रश्न 26 (आसान). रेत के टीलों को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?
उत्तर – Sand dunes।

प्रश्न 27 (मध्यम). थार मरुस्थल की जलवायु को कठोर क्यों कहा जाता है? कोई दो कारण बताओ।
उत्तर – दिन में 'अत्यधिक तापमान', रात में 'अत्यधिक ठंडी' और 'जल की उपलब्धता का अभाव' होने के कारण।

प्रश्न 28 (कठिन). थार मरुस्थल के लोग पानी बचाने के लिए कौन-कौन से पारंपरिक तरीके अपनाते हैं? किन्हीं दो का वर्णन करो।
उत्तर – वे 'टांका या कुंड' बनाकर बारिश का पानी जमा करते हैं, और बर्तनों को साफ करने के लिए पानी के बजाय 'रेत' का उपयोग करते हैं, साथ ही उपयोग किए गए पानी को पौधों आदि में 'पुनः उपयोग' करते हैं।

» अरावली की पहाड़ियाँ: सबसे प्राचीन श्रृंखला

प्रश्न 29 (आसान). अरावली पहाड़ियाँ भारत के किस दिशा में स्थित हैं?
उत्तर – पश्चिमी दिशा में।

प्रश्न 30 (आसान). अरावली श्रृंखला की प्रमुख विशेषता क्या है?
उत्तर – यह 'सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला' है।

प्रश्न 31 (मध्यम). अरावली पहाड़ियाँ किस भारतीय राज्य का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं?
उत्तर – राजस्थान का।

प्रश्न 32 (कठिन). अरावली पर्वत श्रृंखला की 'प्राचीनता' का क्या महत्व है?
उत्तर – यह हमें 'भूगर्भीय इतिहास' की जानकारी देती है और बताती है कि धरती पर भौगोलिक बदलाव कैसे हुए।

» प्रायद्वीपीय पठार: विशेषताएँ और महत्व

प्रश्न 33 (आसान). प्रायद्वीपीय पठार का आकार कैसा होता है?
उत्तर – त्रिकोणीय

प्रश्न 34 (आसान). प्रायद्वीपीय पठार कितनी ओर से जल से घिरा होता है?
उत्तर – तीन ओर से

प्रश्न 35 (मध्यम). पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – पश्चिमी घाट ऊंचे और लगातार हैं, जबकि पूर्वी घाट नीचे और कटे-फटे हैं.

प्रश्न 36 (कठिन). प्रायद्वीपीय पठार भारत की अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – यह खनिज संपदा, जैसे लोहा और कोयला, का एक बड़ा स्रोत है, जो उद्योगों के लिए आवश्यक हैं.

» भारत की अद्वितीय तटरेखाएँ

प्रश्न 37 (आसान). भारत की कुल तटरेखा की अनुमानित लंबाई कितनी है?
उत्तर – 7500 किमी से अधिक

प्रश्न 38 (आसान). पश्चिमी तट किस सागर के किनारे स्थित है?
उत्तर – अरब सागर

प्रश्न 39 (मध्यम). डेल्टा और एस्चुअरी में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – डेल्टा नदियों द्वारा समुद्र में अवसाद जमा करने से बनी त्रिभुजाकार आकृति है (पूर्वी तट पर); एस्चुअरी वह जगह है जहाँ नदी का पानी समुद्र के खारे पानी से मिलता है (पश्चिमी तट पर)।

प्रश्न 40 (कठिन). भारत की तटरेखा का आर्थिक महत्व क्या है?
उत्तर – तटरेखा समुद्री व्यापार, मछली पकड़ने, पर्यटन और तेल व गैस जैसे समुद्री संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है।

» भारतीय द्वीपसमूह: लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार

प्रश्न 41 (आसान). लक्षद्वीप किस सागर में स्थित है?
उत्तर – अरब सागर

प्रश्न 42 (आसान). अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह किस खाड़ी में स्थित है?
उत्तर – बंगाल की खाड़ी

प्रश्न 43 (मध्यम). लक्षद्वीप में किस प्रकार की चट्टानें मिलती हैं?
उत्तर – प्रवाल भित्तियाँ (Coral reefs)

प्रश्न 44 (कठिन). भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी किस द्वीपसमूह में स्थित है? उसका नाम भी बताओ।
उत्तर – अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में 'बैरन द्वीप' (Barren Island)।

» पूर्वोत्तर की पहाड़ियाँ और सुंदरवन डेल्टा

प्रश्न 45 (आसान). दुनिया में सबसे ज़्यादा बारिश किस जगह होती है?
उत्तर – दुनिया में सबसे ज़्यादा बारिश 'Mawsynram' में होती है।

प्रश्न 46 (आसान). सुंदरवन डेल्टा किस राज्य में स्थित है?
उत्तर – सुंदरवन डेल्टा पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित है।

प्रश्न 47 (मध्यम). पूर्वोत्तर की गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियों की मुख्य भौगोलिक विशेषता क्या है?
उत्तर – इन पहाड़ियों की मुख्य भौगोलिक विशेषता भारी वर्षा, घने हरे-भरे जंगल और उच्च जैव-विविधता है।

प्रश्न 48 (कठिन). सुंदरवन डेल्टा क्यों इतना महत्वपूर्ण है, इसकी दो वजहें बताएँ।
उत्तर – सुंदरवन डेल्टा अपने अनोखे मैंग्रोव वनों और रॉयल बंगाल टाइगर जैसे विशिष्ट वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण है। यह तटीय इलाकों को तूफानों से भी बचाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भारत के किन्हीं तीन प्रमुख भौगोलिक भागों के नाम बताइए और उनकी एक-एक मुख्य विशेषता बताइए।

› पहला भाग है 'महान पर्वतीय क्षेत्र' - जैसे हमारा हिमालय। इसकी मुख्य विशेषता है ऊँची-ऊँची बर्फ से ढकी चोटियाँ।

› दूसरा भाग है 'गंगा और सिंधु का मैदान' - जैसे उत्तर भारत का मैदान। इसकी विशेषता है समतल और उपजाऊ ज़मीन, जहाँ खेती बहुत अच्छी होती है।

› तीसरा भाग है 'मरुस्थलीय भूभाग' - जैसे थार रेगिस्तान। इसकी विशेषता है सूखी, रेतीली ज़मीन और बहुत कम बारिश।

उत्तर – भारत के तीन प्रमुख भौगोलिक भाग हैं महान पर्वतीय क्षेत्र (ऊँची बर्फ से ढकी चोटियाँ), गंगा और सिंधु का मैदान (समतल, उपजाऊ ज़मीन), और मरुस्थलीय भूभाग (सूखी, रेतीली ज़मीन)।

उदाहरण 2. अगर तुम्हें भारत के भौतिक मानचित्र पर हिमालय पर्वत श्रृंखला को पहचानना है, तो तुम किस 'भौगोलिक इकाई' को देखोगे?

› पहला कदम: मानचित्र पर ऊँचाई वाले क्षेत्रों को देखो, जो अक्सर भूरे या गहरे हरे रंग से दिखाए जाते हैं।

› दूसरा कदम: उत्तर दिशा में स्थित, सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखला को पहचानो।

› तीसरा कदम: यह 'महान पर्वतीय क्षेत्र' है, जिसमें हिमालय आता है।

उत्तर – तुम 'महान पर्वतीय क्षेत्र' को देखोगे।

उदाहरण 3. हिमालय पर्वत श्रृंखला की तीन मुख्य श्रेणियों के नाम और उनकी एक-एक प्रमुख विशेषता बताइए।

› पहली श्रेणी है 'हिमाद्री', जिसे 'वृहद हिमालय' भी कहते हैं। इसकी मुख्य विशेषता है कि यह सबसे ऊँची श्रृंखला है, जहाँ माउंट एवरेस्ट जैसे विश्व के सबसे ऊँचे शिखर स्थित हैं, और यह पूरा साल बर्फ से ढका रहता है।

› दूसरी श्रेणी है 'हिमाचल', जिसे 'लघु हिमालय' भी कहते हैं। इसकी विशेषता है कि यहाँ की जलवायु 'समशीतोष्ण' है, यानी न बहुत गर्म न बहुत ठंडी, जो पर्यटन और रहने के लिए उपयुक्त है। नैनीताल और शिमला जैसे प्रसिद्ध हिल स्टेशन यहीं हैं।

› तीसरी और सबसे निचली श्रेणी 'शिवालिक पहाड़ियाँ' हैं, जिसे 'बाह्य हिमालय' भी कहते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसमें घुमावदार पहाड़ियाँ और घने जंगल शामिल हैं, और यह गंगा के मैदानों से सटा हुआ है।

उत्तर – हिमालय की तीन मुख्य श्रेणियां हैं: हिमाद्री (सबसे ऊँची, साल भर बर्फ से ढकी), हिमाचल (समशीतोष्ण जलवायु, पर्यटन स्थल) और शिवालिक (निचली पहाड़ियाँ, घने जंगल).

उदाहरण 4. अगर हमें भारत में सबसे ऊँचे पर्वत शिखर 'माउंट एवरेस्ट' और 'कंचनजुंगा' देखने हों, तो हम हिमालय की किस श्रेणी में जाएंगे? और अगर हमें गर्मी की छुट्टियों में नैनीताल या शिमला जाना हो, तो कौन सी श्रेणी बेहतर होगी?

› पहला सवाल: 'माउंट एवरेस्ट' और 'कंचनजुंगा' 'गगनचुंबी पर्वत शिखर' हैं, और 'यह क्षेत्र संपूर्ण वर्ष हिमाच्छादित रहता है'. इसका मतलब है कि ये सबसे ऊँचे और बर्फीले हैं. इसलिए, हमें 'हिमाद्री' (वृहद हिमालय) श्रेणी में जाना होगा.

› दूसरा सवाल: 'नैनीताल' और 'शिमला' जैसे लोकप्रिय पर्वतीय पर्यटन स्थल 'समशीतोष्ण जलवायु' वाले क्षेत्र में हैं. इसका मतलब है कि यहाँ का मौसम सुहावना होता है और लोग यहाँ घूमने जाते हैं. यह 'हिमाचल' (लघु हिमालय) श्रेणी की पहचान है.

उत्तर – माउंट एवरेस्ट और कंचनजुंगा देखने के लिए हमें 'हिमाद्री' श्रेणी में जाना होगा, और नैनीताल या शिमला घूमने के लिए 'हिमाचल' श्रेणी में जाना बेहतर होगा.

उदाहरण 5. लद्दाख को 'चंद्रभूमि' क्यों कहा जाता है? समझाइए।

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि 'चंद्रभूमि' का क्या मतलब है। इसका मतलब है 'चाँद जैसी ज़मीन'।

› दूसरा कदम: अब सोचो, चाँद की सतह कैसी दिखती है? ऊबड़-खाबड़, गड्ढेदार, पथरीली और सूखी, है ना?

› तीसरा कदम: लद्दाख का भूभाग भी 'ऊबड़-खाबड़, चट्टानी और सूखी' घाटियों वाला है, जहाँ वर्षा बहुत कम होती है।

› चौथा कदम: इस कारण, लद्दाख की ज़मीन दिखने में 'चाँद की सतह' जैसी लगती है।

› पाँचवाँ कदम: 'इसलिए इसे 'चंद्रभूमि' कहा जाता है।'

उत्तर – लद्दाख का भूभाग ऊबड़-खाबड़, चट्टानी, गहरी घाटियों वाला और बहुत कम वर्षा के कारण सूखा है, जिसकी वजह से यह दिखने में चाँद की सतह जैसा लगता है। इसी समानता के कारण इसे 'चंद्रभूमि' कहते हैं।

उदाहरण 6. भारत के किन दो प्रमुख भौतिक विभाजनों में गंगा के मैदानों को वर्गीकृत किया जा सकता है और क्यों?

› पहला वर्गीकरण: 'उत्तरी मैदान' - क्योंकि ये भारत के उत्तरी भाग में स्थित हैं और हिमालय से निकलने वाली नदियों द्वारा बनाए गए हैं।

› दूसरा वर्गीकरण: 'सिंधु-गंगा का मैदान' - कई बार इसे सिंधु नदी के मैदानों के साथ मिलाकर देखा जाता है क्योंकि दोनों ही बड़े और उपजाऊ नदियाँ-निर्मित मैदान हैं, जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से को कवर करते हैं।

› कारण: ये मैदान अपनी 'उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी' के कारण कृषि के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, और यही इनकी प्रमुख पहचान है। साथ ही, नदियाँ यहाँ 'जीवनरेखा' का काम करती हैं।

उत्तर – गंगा के मैदानों को 'उत्तरी मैदान' और 'सिंधु-गंगा का मैदान' के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, क्योंकि ये हिमालयी नदियों द्वारा निर्मित अत्यधिक उपजाऊ क्षेत्र हैं जो कृषि और सघन आबादी का समर्थन करते हैं।

उदाहरण 7. थार मरुस्थल की दो मुख्य भौगोलिक विशेषताएं क्या हैं, और यहाँ के लोग जल की कमी से निपटने के लिए क्या तरीके अपनाते हैं?

› पहली मुख्य भौगोलिक विशेषता है 'सुनहरी रेत के टीलों का विशाल विस्तार', जो हवा द्वारा रेत के जमा होने से बनते हैं।

› दूसरी मुख्य भौगोलिक विशेषता है 'कठोर शुष्क जलवायु', जिसमें दिन में बहुत अधिक तापमान और रात में अत्यधिक ठंड होती है, साथ ही जल की भारी कमी रहती है।

› जल की कमी से निपटने के लिए, लोग 'टांका या कुंड' जैसी पारंपरिक विधियों का उपयोग करके वर्षा जल का संग्रह करते हैं।

› बर्तन साफ करने के लिए वे रेत का उपयोग करते हैं ताकि पानी बचाया जा सके, और उपयोग किए गए पानी को पौधों को सींचने जैसे कार्यों के लिए 'पुनः उपयोग' करते हैं।

उत्तर – थार मरुस्थल की मुख्य भौगोलिक विशेषताएं 'रेत के टीले' और 'कठोर शुष्क जलवायु' हैं। जल की कमी से निपटने के लिए लोग 'टांका/कुंड' बनाते हैं, रेत से बर्तन साफ करते हैं और पानी का पुनः उपयोग करते हैं।

उदाहरण 8. अरावली पर्वत श्रृंखला भारत के कौन से राज्य में मुख्य रूप से फैली हुई है, और इसकी एक प्रमुख विशेषता बताइए?

› पहला कदम: याद करें कि अरावली पहाड़ियाँ भारत के पश्चिमी हिस्से में हैं, विशेषकर राजस्थान राज्य में।

› दूसरा कदम: इसकी प्रमुख विशेषता याद करें कि यह दुनिया की 'सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं' में से एक है और 'खनिज संपदा' के लिए जानी जाती है।

उत्तर – अरावली पर्वत श्रृंखला मुख्य रूप से राजस्थान राज्य में फैली हुई है। इसकी एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत की 'सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला' है।

उदाहरण 9. प्रायद्वीपीय पठार की तीन प्रमुख विशेषताएं बताइए और यह भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

› पहला, प्रायद्वीपीय पठार 'त्रिकोणीय भूभाग' है जो भारत के निचले हिस्से में स्थित है और 'तीन ओर से जल से घिरा' है – Arabian Sea, Bay of Bengal और Indian Ocean.

› दूसरा, इसकी एक विशेषता 'पश्चिमी घाट' (Western Ghats) है. ये भारत के पश्चिमी तट के समानांतर फैली हुई ऊंची और लगातार पर्वत श्रृंखलाएं हैं.

› तीसरा, 'पूर्वी घाट' (Eastern Ghats) हैं जो पूर्वी तट के समानांतर हैं, पर ये Western Ghats की तुलना में कम ऊंचे और बीच-बीच में कटे-फटे हैं.

› यह भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 'खनिज संपदा का भंडार' है, जैसे लोहा, कोयला, बॉक्साइट आदि, जो हमारे उद्योगों और अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ज़रूरी हैं.

उत्तर – प्रायद्वीपीय पठार एक त्रिकोणीय भूभाग है जो तीन ओर से जल से घिरा है. इसकी प्रमुख विशेषताएं पश्चिमी घाट (ऊंचे व सतत) और पूर्वी घाट (नीचे व कटे-फटे) हैं. यह भारत के लिए खनिज संपदा के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण है.

उदाहरण 10. भारत के पश्चिमी और पूर्वी तट के बीच तीन मुख्य अंतर बताइए।

› पहला अंतर: स्थिति - पश्चिमी तट अरब सागर के किनारे है, जबकि पूर्वी तट बंगाल की खाड़ी के किनारे है।

› दूसरा अंतर: चौड़ाई - पश्चिमी तट संकरा है, जबकि पूर्वी तट चौड़ा है।

› तीसरा अंतर: नदियों की विशेषता - पश्चिमी तट पर नदियाँ एस्चुअरी (मुहाने) बनाती हैं (जैसे नर्मदा, तापी), जबकि पूर्वी तट पर नदियाँ बड़े डेल्टा बनाती हैं (जैसे गोदावरी, कृष्णा, कावेरी)।

उत्तर – पश्चिमी तट अरब सागर के किनारे संकरा है और एस्चुअरी बनाता है, जबकि पूर्वी तट बंगाल की खाड़ी के किनारे चौड़ा है और डेल्टा बनाता है।

उदाहरण 11. मानचित्र में भारत के द्वीपसमूहों को पहचान कर उनके मुख्य नाम और वे किस जल निकाय में स्थित हैं, लिखिए।

› सबसे पहले, भारत का मानचित्र देखेंगे।

› भारत के पश्चिमी किनारे पर अरब सागर में छोटे-छोटे बिंदुओं के रूप में जो द्वीपसमूह दिख रहा है, वह 'लक्षद्वीप' है।

› भारत के पूर्वी किनारे पर बंगाल की खाड़ी में जो थोड़े बड़े और फैले हुए द्वीपसमूह दिख रहे हैं, वे 'अंडमान-निकोबार' द्वीपसमूह हैं।

उत्तर – लक्षद्वीप: अरब सागर में स्थित। अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह: बंगाल की खाड़ी में स्थित।

उदाहरण 12. पूर्वोत्तर भारत की तीन प्रमुख पहाड़ियों के नाम बताइए और सुंदरवन डेल्टा की दो मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

› पहला भाग: पूर्वोत्तर भारत की तीन प्रमुख पहाड़ियां हैं: गारो, खासी और जयंतिया।

› दूसरा भाग: सुंदरवन डेल्टा की दो मुख्य विशेषताएँ हैं: यह मैंग्रोव वनों से ढका है और यह रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है।

उत्तर – पूर्वोत्तर भारत की तीन प्रमुख पहाड़ियाँ गारो, खासी और जयंतिया हैं। सुंदरवन डेल्टा की दो मुख्य विशेषताएँ मैंग्रोव वन और रॉयल बंगाल टाइगर का घर होना है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा 'भूगोल' के किसी भी प्रश्न का उत्तर देते समय एक 'introduction' के रूप में बहुत महत्वपूर्ण है, इसे ध्यान में रखें.

• भारत के भौतिक मानचित्र पर इन पाँचों इकाइयों को पहचानना सीखो, अक्सर इस पर सीधे सवाल आते हैं।

• हिमालय के 'निर्माण की प्रक्रिया' और इसकी 'तीन श्रेणियों' को उनकी विशेषताओं के साथ याद रखना बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है। अक्सर इन पर सीधे प्रश्न आते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में इन तीनों श्रेणियों के नाम और उनकी मुख्य विशेषताओं पर आधारित सीधे प्रश्न अक्सर आते हैं। हर श्रेणी की कम से कम दो विशेषताएँ ज़रूर याद रखना।

• लद्दाख के 'शीत मरुस्थल' और 'चंद्रभूमि' नाम के पीछे के कारणों को अच्छे से समझकर जाना, यह अक्सर 'शॉर्ट आंसर' सवालों में पूछा जाता है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर 'भारत के भौतिक विभाजन' पर लंबे उत्तर वाले प्रश्न आते हैं, जिसमें गंगा के मैदानों की 'विशेषताओं', 'महत्व' और 'आबादी' के बारे में पूछा जाता है। ध्यान से पढ़ना और हर बिंदु को याद रखना!

• थार मरुस्थल की भौगोलिक विशेषताओं और वहाँ के लोगों की जीवन-शैली, खासकर जल संरक्षण के पारंपरिक उपायों पर खास ध्यान देना, क्योंकि ये अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछे जाते हैं।

• अरावली की 'प्राचीनता' और 'खनिज संपदा' (जैसे तांबा, जस्ता) पर आधारित प्रश्न 'board exams' में अक्सर पूछे जाते हैं, इसे अच्छे से याद रखना।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट के बीच अंतर' पूछा जाता है, इसलिए इनकी विशेषताओं को ध्यान से समझें और याद रखें.

• पश्चिमी और पूर्वी तटों के बीच के अंतर और एस्चुअरी व डेल्टा की परिभाषाएँ बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछी जाती हैं, इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• मानचित्र पर इन द्वीपसमूहों की सही स्थिति और उनके प्रकार (प्रवाल या ज्वालामुखी) बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं, इसे अच्छे से याद कर लेना।

• यह विषय 'geographical features' के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों के नाम और सुंदरवन के 'mangrove forests' की वशिेषताओं पर प्रश्न ज़रूर आते हैं, तो इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

एक नज़र में रिवीज़न

› भारत: भौगोलिक रूप से विविध देश; पर्वत, मैदान, मरुस्थल, पठार, तट.

› भारत की 5 मुख्य भौगोलिक इकाइयाँ: पर्वत, मैदान, मरुस्थल, प्रायद्वीप, द्वीपसमूह।

› हिमालय: भारतीय व यूरेशियाई प्लेटों के टकराव से बना, हिम+आलय, 3 श्रेणियां (हिमाद्री, हिमाचल, शिवालिक), नदियों का स्रोत।

› हिमालय की तीन श्रेणियाँ: हिमाद्री (ऊँचा, बर्फ), हिमाचल (मध्यम, हिल स्टेशन), शिवालिक (निचला, जंगल).

› लद्दाख: भारत का शीत मरुस्थल, 'चंद्रभूमि', -30°C तापमान, कम वर्षा, अनोखे वन्यजीव।

› गंगा मैदान: उपजाऊ, नदियाँ-निर्मित, कृषि प्रधान, घनी आबादी, जीवनरेखा।

› थार मरुस्थल: पश्चिमी भारत, रेत के टीले, कठोर जलवायु, अनुकूलित जीवन-शैली, जल संरक्षण.

› अरावली: भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला, राजस्थान, खनिज संपदा।

› प्रायद्वीपीय पठार: त्रिकोणीय, तीन ओर से जल, पश्चिमी व पूर्वी घाट, खनिज भंडार.

› भारत की 7500+ किमी लंबी तटरेखा: पश्चिमी तट (एस्चुअरी), पूर्वी तट (डेल्टा, लैगून)।

› लक्षद्वीप (अरब सागर, प्रवाल); अंडमान-निकोबार (बंगाल की खाड़ी, ज्वालामुखी)

› पूर्वोत्तर: गारो, खासी, जयंतिया पहाड़ियाँ, भारी वर्षा। सुंदरवन: मैंग्रोव, रॉयल बंगाल टाइगर।